Patrika (Indore), 31st March 2026, Page-02

#Education

आइआइटी इंदौर में एडवांस्ड रिसर्च कॉम्प्लेक्स और सोलर प्लांट की शुरुआत

एआर-वीआर लैब में वास्तविक समस्याओं पर होगा काम

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

इंदौर. आइआइटी इंदौर में सोमवार को सोलर पार्क व नए केंद्रीय विद्यालय भवन की आधारशिला रखी गई तथा सीजीएस एडवांस्ड रिसर्च कॉम्प्लेक्स और एआर-वीआर आधारित हेल्थकेयर लैब का उद्घाटन किया गया। इस मौके पर बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष डॉ. के. सिवन मौजूद रहे और उन्होंने इन सुविधाओं को देश के भविष्य के लिए अहम बताया।

सीजीएस एडवांस्ड रिसर्च कॉम्प्लेक्स अब शुरू हो गया है। करीब 21 हजार 662 वर्गफीट में बने इस कॉम्प्लेक्स में 10 आधुनिक प्रयोगशालाएं, 24 फैकल्टी रूम और विद्यार्थियों के लिए 96 वर्क स्पेस तैयार किए गए हैं। इस पर करीब 11.8 करोड़ रुपए खर्च हुए। इस कॉम्प्लेक्स को देश की प्रसिद्ध महिला वैज्ञानिकों डॉ. बिभा चौधरी, डॉ. रोहिणी गोडबोले और डॉ. कमला सोहोनी को समर्पित किया गया है। वहीं संस्थान में 3.15 एकड़ जमीन पर 1 मेगावाट क्षमता का सोलर पॉवर प्लांट भी लगाया जाएगा। इसके शुरू होने के बाद हर साल लगभग 75 लाख रुपए की बिजली बचत होने का अनुमान है। यह प्रोजेक्ट रेस्को मॉडल के तहत विकसित किया जा रहा है, जिसमें 25 साल तक 3.04 रुपए प्रति यूनिट की तय दर पर बिजली मिलेगी।

केंद्रीय विद्यालय पर खर्च होंगे 26.54 करोड़

आइआइटी परिसर में 63 हजार 840 वर्गफीट में 26.54 करोड़ रुपए की लागत से केंद्रीय विद्यालय का नया भवन बनाया जाएगा। यह जी 2 संरचना होगी, जिसमें 24 क्लासरूम और अन्य सुविधाएं रहेंगी। डिजिटल हेल्थकेयर के क्षेत्र में बड़ा कदम उठाते हुए स्वास्थ्य एक्सआर नाम की एआर-वीआर लैब का उद्घाटन किया गया। करीब 30 लाख में बनी इस लैब में एचटीसी वाइव प्रो, माइक्रोसॉफ्ट होलोलेन्स-2, मेटा क्वेस्ट 3 जैसे आधुनिक उपकरण लगाए गए हैं। इस लैब में ऊंचाई के डर के इलाज के लिए तैयार एआर-वीआर एप्लिकेशन का तकनीकी ट्रांसफर भी किया गया। इससे विद्यार्थियों और शोधकर्ताओं को वास्तविक समस्याओं पर काम करने का मौका मिलेगा। इन सभी परियोजनाओं से आइआइटी इंदौर के विद्यार्थियों को आधुनिक लैब, बेहतर रिसर्च सुविधाएं और नई तकनीकों पर काम करने के अवसर मिलेंगे। संस्थान में इंडस्ट्री और हेल्थ सेक्टर से जुड़ी रिसर्च को बढ़ावा मिलेगा, जिससे रोजगार व स्टार्टअप के रास्ते खुलेंगे।